Semester II

Pedagogy History 7 A

Unit VI: Examination and Evaluation of History

a. Introduction
b. Meaning of Evaluation
c. Difference Between Evaluation And Measurement
d. Purpose of Evaluation
e. Techniques of Evaluation.
f. Essay Type Test.
g. New Type Tests or objective Type Tests
h. Types of objective Type Tests.
i. Defects of New Type Tests.
j. comparative study of objective Type And Essay Type Tests.
K. History Teacher And Evaluation Programme.
L. Specific Aims of History Teaching At The Secondary stage.

By.

Dr. Asha Kumari Gupta.

Asha Kumari Gupta

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन और मापन में अन्तर
(DIFFERENCE BETWEEN EVALUATION AND MEASUREMENT)

मूल्यांकन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा छात्रों की उपलब्धियों के सम्बन्ध में निर्णय दिया जाता है। निर्णय देने के लिए हमें उपलब्धि का स्तर ज्ञात होना अनिवार्य है। उपलब्धि के स्तर को मापन द्वारा ज्ञात किया जाता है। मापन का सम्बन्ध किसी

Scanned with CamScanner

योग्यता या गुण के सम्बन्ध में यह ज्ञात करने से है कि उस योग्यता या गुण की कितनी मात्रा मौजूद है। मूल्यांकन का सम्बन्ध किसी योग्यता या गुण की मात्रा ज्ञात करने के बाद यह तय करने से है कि योग्यता या गुण समुचित मात्रा में है या नहीं। अतः मूल्यांकन में मापन तथा मूल्य निर्धारण दोनों का समावेश होता है। मापन संख्यात्मक तथा गुणात्मक दोनों प्रकार का हो सकता है। **ई. बी. वेस्ले** के अनुसार, **"मापन मूल्यांकन का वह भाग है जो प्रतिशत, मात्रा, अंकों, मध्यमान तथा औसत आदि द्वारा व्यक्त किया जाता है।"**

"Measurement is that subdivision of evaluation which is stated in terms of percentages, amounts, scores, medians and means etc."

—E. B. Wesley

मूल्यांकन तथा मापन के अन्तर को स्पष्ट करते हुए **राइटस्टोन** (Wrightstone) ने लिखा है **"मापन में पाठ्य-वस्तु या विशेष कुशलताओं और योग्यताओं की उपलब्धि के एकाकी पक्षों पर बल दिया जाता है, जबकि मूल्यांकन में व्यक्तित्व सम्बन्धी परिवर्तन एवं शैक्षिक कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यों पर बल दिया जाता है।"**

इन दोनों के अन्तर को संक्षेप में निम्नांकित तालिका द्वारा स्पष्ट किया जा रहा है—

मापन	मूल्यांकन
1. मापन द्वारा किसी योग्यता या गुण की मात्रा ज्ञात की जाती है। यह संख्यात्मक तथा गुणात्मक दोनों हो सकती है।	1. मूल्यांकन द्वारा यह निश्चित किया जाता है कि किसी योग्यता या गुण की संख्यात्मक तथा गुणात्मक मात्रा उपयुक्त है या नहीं।
2. मापन यह ज्ञात करने से सम्बन्धित है—"कितनी मात्रा में है ?"	2. मूल्यांकन का सम्बन्ध इस प्रश्न के उत्तर देने से है—"कितना अच्छा है ?"
3. मापन एकांगी है।	3. मूल्यांकन बहुमुखी होता है।
4. मापन के अभाव में मूल्यांकन का कार्य वैज्ञानिक नहीं हो सकता है।	4. मूल्यांकन के लिए मापन अनिवार्य है। परन्तु मापन का शैक्षिक लाभ मूल्यांकन द्वारा ही सम्भव है।

Asha Kumari Gupta

Scanned with CamScanner